भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: 58
09 दिसंबर, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एम्स, मदुरै

***58. डॉ. कलानिधि वीरास्वामी:**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि एम्स, मदुरै की आधारशिला रखे जाने के तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी इसका निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं हुआ है;
(ख) यदि हां, तो इसके कारणों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने उक्त परियोजना के निर्माण और उसे पूरा करने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) इसे निर्धारित समय के भीतर पूरा करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

09 दिसंबर, 2022 के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 58 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (घ): एम्स मदुरै परियोजना की आधारशिला 27.1.2019 को रखी गई थी। राज्य सरकार द्वारा उक्त एम्स के लिए भारत सरकार को दिनांक 20.2.2020 को भूमि हस्तांतरित की गई थी। चारदिवारी के निर्माण सहित निवेश-पूर्व कार्य शीघ्र ही पूरा होने वाला है। परियोजना कार्यान्वयन के लिए परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता (पीएमसी) की नियुक्ति हेतु रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है और प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी) दिनांक 25.10.2022 को जारी किया गया है।

परियोजना को जापान इंटरनेश्नल कॉरपोरेशन एजेंसी (जेआईसीए) के जरिए ईबीआर वित्तपोषण के अन्तर्गत शुरु किए गए जाने का निर्णय लिया गया था, इसलिए परियोजना कार्यान्वयन में समय लगा। तदनुसार, कार्य आरंभ (इन्सेप्शन) रिपोर्ट, कैंपस मास्टर प्लान, सुविधाकेंद्र आयोजना, अस्पताल डिजाईन की संकल्पना, उपस्कर आयोजना को तैयार करने के उपरांत दिनांक 26 मार्च, 2021 को जापान सरकार और भारत सरकार के बीच ऋण अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। चूंकि मंत्रिमण्डल द्वारा अनुमोदित परियोजना लागत 1264 करोड़ रुपए थी तथा 150 बिस्तरों वाले संक्रामक रोग ब्लॉक तथा कुछेक अन्य खंडों को शामिल किए जाने के कारण जेआईसीए द्वारा संशोधित लागत 1977.8 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया था। इसलिए मामले की विस्तारपूर्वक जांच करने के लिए मंत्रालय ने संशोधित लागत अनुमान समिति (आरसीसी) का गठन किया। तदोपरांत, मंत्रालय ने प्रस्ताव के वित्तीय मूल्यांकन हेतु आरसीसी की रिपोर्ट के साथ इसे व्यय विभाग (डीओई) को भेजा। जांच के उपरांत व्यय विभाग ने प्रस्ताव का मूल्यांकन एंव अनुमोदन किया तथा दिनांक 11.10.2022 को मंत्रालय द्वारा इसे अनुमोदित किया गया है।

ऋण अनुबंध के अनुसार, परियोजना कार्यान्वयन अवधि 5 वर्ष और 8 माह (मार्च, 2021 से अक्टूबर 2026 तक) होगी। इस बीच, एम्स मदुरै में 50 विद्यार्थियों के लिए एमबीबीएस कक्षाएं शैक्षणिक सत्र 2021-22 से तमिलनाडु सरकार के साथ परामर्श करके एक अस्थायी परिसर से अप्रैल 2022 में शुरु की गई हैं। शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए 50 एमबीबीएस छात्रों के द्वितीय बैच के लिए प्रवेश की घोषणा कर दी गई है। एम्स मदुरै के संस्थान निकाय (आईबी) का गठन किया जा चुका है। एम्स मदुरै के लिए परियोजना सेल पदों का सृजन किया जा चुका है और कार्यकारी निदेशक, उप निदेशक (प्रशा.) अधीक्षण इंजीनियर, कार्यकारी इंजीनियर (सिविल) और प्रशासनिक अधिकारी ने पहले ही कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

*****